भारत की राष्ट्रपति

श्रीमती द्रौपदी मुर्मु

का

एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय के मेधावी विद्यार्थियों को सम्बोधन

राष्ट्रपति भवन: 12 नवम्बर, 2026

'जनजातीय गौरव पखवाड़ा' के दौरान मेधावी जनजातीय विद्यार्थियों के बीच उपस्थित होकर मुझे हार्दिक प्रसन्नता हो रही है। इस आयोजन के लिए, मैं केन्द्रीय जनजातीय कार्य मंत्री श्री जुएल ओराम जी, उनकी पूरी टीम, और एकलव्य विद्यालय के संचालन से जुड़े सभी अधिकारियों की सराहना करती हूं। एकलव्य विद्यालयों के उन सभी शिक्षकों की भी मैं हार्दिक प्रशंसा करती हूं जिन्होंने इन विद्यार्थियों की प्रतिभा को पहचाना और निखारा है।

भगवान बिरसा मुंडा की जयंती के उपलक्ष में मनाया जा रहा 'जनजातीय गौरव पखवाड़ा' हमारी समृद्ध जनजातीय विरासत और राष्ट्र के प्रति जनजातीय समुदाय के लोगों के अमूल्य योगदान को स्मरण करने का अवसर है। भगवान बिरसा मुंडा का जीवन हमें अन्याय के विरुद्ध संघर्ष करने, अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहने और समाज तथा देश के हित में समर्पित भाव से कार्य करने की प्रेरणा देता है।

देवियो और सज्जनो,

हम वर्ष 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य के साथ आगे बढ़ रहे हैं। इस लक्ष्य की प्राप्ति के लिए देश के हर क्षेत्र और समाज के हर वर्ग का विकास महत्वपूर्ण है।

जनजातीय समुदाय के बच्चों को भी शिक्षा ग्रहण करने के उचित अवसर मिलें, इस उद्देश्य से देश भर में अनेक एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय स्थापित किए गए हैं। मुझे यह देखकर प्रसन्नता होती है कि ये विद्यालय जनजातीय

विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के साथ-साथ उन्हें अपनी बहुमुखी प्रतिभा को निखारने के अवसर भी प्रदान कर रहे हैं। यहां उपस्थित प्रतिभावान विद्यार्थियों, जिनमें कई विद्यार्थी engineering और law के प्रतिष्ठित संस्थानों में प्रवेश पाने में सफल हुए हैं, से बातचीत करके मेरा यह विश्वास और मजबूत होता है कि हमारे देश में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है। केवल उन्हें उचित अवसर, अनुकूल वातावरण और सही मार्गदर्शन प्रदान करने की आवश्यकता है। मुझे यह जानकर खुशी हुई है कि इन विद्यालयों में छात्र-छात्राओं का अनुपात लगभग बराबर है। यह समावेशी विकास की दिशा में हमारे बढ़ते कदम का परिचायक है।

प्यारे विद्यार्थियो,

आप में से अधिकांश लोग ग्रामीण पृष्ठभूमि से आते हैं। कई लोग हॉस्टल में रहकर शिक्षा प्राप्त करने वाले अपने परिवार के प्रथम सदस्य होंगे। आपकी जड़ें अपने गाँव से जुड़ी हैं, लेकिन आपकी उड़ान की कोई सीमा नहीं है। आप अपने सपने ऊँचे रखिए और उन्हें साकार करने के लिए पूरी लगन, अनुशासन और आत्मविश्वास के साथ प्रयास करिए। शिक्षा आपके लिए केवल जीविकोपार्जन का साधन नहीं होना चाहिए। आपका लक्ष्य अर्जित ज्ञान के बल पर रोजगार सृजित करने का भी होना चाहिए। जब हमारे युवा रोजगार का सृजन करेंगे, तब देश के समावेशी विकास को और अधिक गति मिलेगी। आज पुरस्कृत हुए Tribal Business Conclave Open Grand Challenge तथा Tribe-Preneurs Idea Quest के विजेताओं को मैं हार्दिक बधाई देती हूं। मुझे बताया गया है कि आदिवासी युवा नेतृत्व और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए IIT, IIM, AIIMS, केंद्रीय विश्वविद्यालयों सहित एक सौ प्रमुख संस्थानों में आदि कर्मयोगी student chapters की स्थापना की गयी है। मुझे विश्वास है कि आप जैसे युवा इन पहलों का लाभ उठाएंगे और समाज तथा देश के हित में कार्य करेंगे।

प्यारे विद्यार्थियो,

शिक्षा ग्रहण करने के साथ-साथ आप समसामयिक घटनाओं और देश-दुनिया में हो रहे बदलावों की जानकारी भी रखें। इससे आप में तार्किक सोच और विश्लेषण करने की क्षमता विकसित होगी। आप जब भी अपने गांव जाएं, अपने परिवार के लोगों, रिश्तेदारों, पड़ोसियों को समसामयिक घटनाओं से अवगत कराएं। उन्हें सरकारों द्वारा चलायी जा रही जन-कल्याणकारी योजनाओं के बारे में बताएं। आपके ऐसे छोटे-छोटे प्रयासों से आपका परिवार और समाज लाभान्वित होगा तथा आपकी शिक्षा की सार्थकता बढ़ेगी। आप लगन और मेहनत के साथ जीवन में आगे बढ़ें, मेरी शुभकामनाएं आपके साथ हैं।

धन्यवाद!

जय हिन्द!

जय भारत!